बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

बुद्धिमान राजा सुलैमान

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Lazarus
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Ruth Klassen

60 कहानियों में से 22 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

राजा दाऊद परमेश्वर का एक महान जन था। उसके शासन काल के दौरान, इस्राएल, राजा शाऊल के राज्य की तुलना में दस गुना बड़ा हो गया था। लेकिन अब वह शासन नहीं कर सकता था।

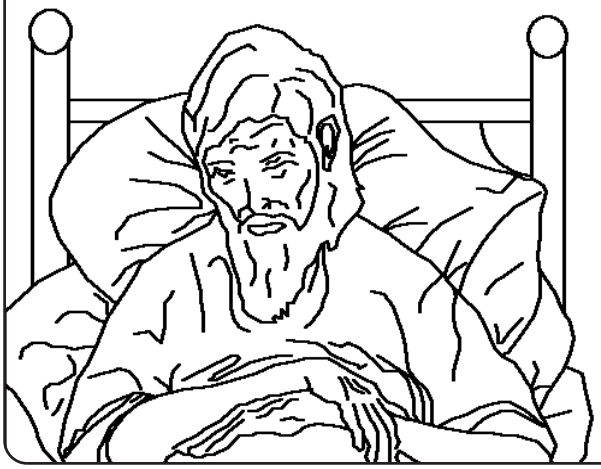

दाऊद बूढ़ा हो चुका था। वह थक गया था! और बीमार रहता था! उसका पृथ्वी पर का जीवन अपने अंतिम कागार पर था।

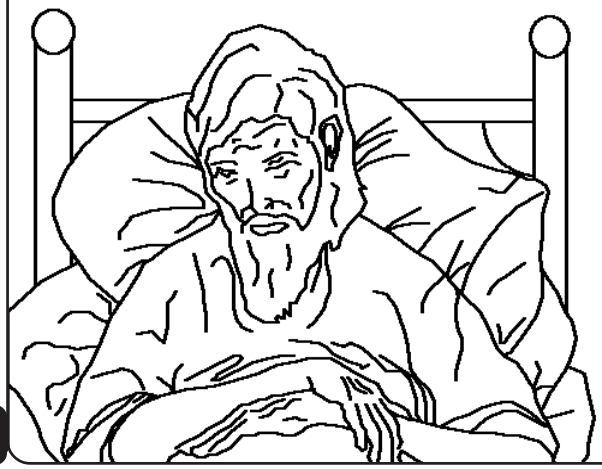

दाऊद के कई पुत्रों में से एक, अदोनिय्याह, ने इस्राएल के लोगों को बताया कि अब वह राजा बनेगा। उसके नाम का अर्थ "मेरे परमेश्वर ही मेरा प्रभु है" अदोनिय्याह अच्छा आदमी नहीं था। यह जानते हुवे की दाऊद बचाने में कमजोर है, कपट और चोरी से सिंहासन चुराने की कोशिश की। लेकिन परमेश्वर की अपनी अलग योजना थी!

3

दाऊद की पत्नी बतशेबा को पता था की उसका पुत्र सुलैमान ही राजा होगा। उसने अदोनिय्याह की योजनाओं के बारे में दाऊद को बताया। जबकि वह बुरी तरह से बीमार था तौभी, दाऊद ने अपने अगुवों को एकत्रित किया और सार्वजनिक रूप से सुलैमान को इस्राएल का राजा बनाया।

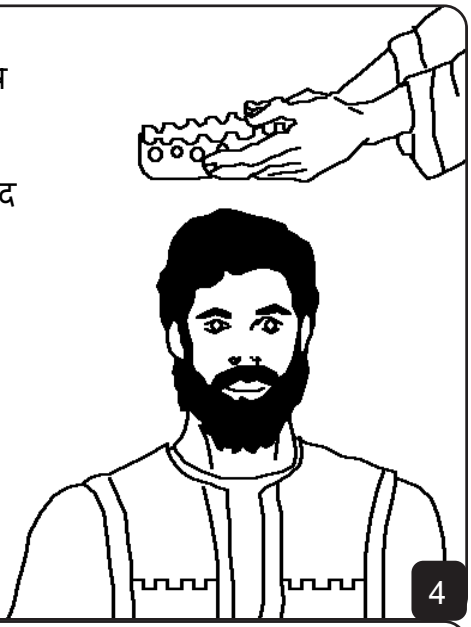

4

सुलैमान को अदोनिय्याह के साथ कोई अधिक परेशानी नहीं हुई क्योंकि इस्राएल के लोगों ने दाऊद की बातों पर विश्वास कियाँ। दाऊद ने उन्हें बताया की सुलैमान को परमेश्वर ने उनका राजा होने के लिए चुना है। शीघ्र ही, दाऊद की मृत्यु हो गयी ।

5

दाऊद अपनी मृत्यु से पहले एक अच्छा राजा होने और परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने के बारे में सुलैमान को सिखाया। दाऊद नें अपने बेटे से कहा, "तुम्हे सब कुछ में समृद्ध होने के लिए कि, परमेश्वर के तरीके से चलना होगा," यह अच्छी सलाह थी! तब सुलैमान ने अपने पिता, दाऊद के सिंहासन पर बैठा, और उसके राज्य को मजबूती से स्थापित किया।

6

एक रात, सुलैमान ने एक सपना देखा। उसके सपने में, परमेश्वर ने उसे दर्शन देकर कहा, "तुम्हे जो चाहिए मांग, मैं तुम्हे क्या दूँ?" आप अपने लिए क्या मांगते?

7

सुलैमान ने एक अच्छा राजा होने के लिए बुद्धि को माँगा। नौजवान राजा ने अनुरोध किया और उसपर परमेश्वर की कृपा हुई। सुलैमान ने जो माँगा उसे परमेश्वर ने दिया और उसके साथ - परमेश्वर ने उसे महान धन और सम्मान देने का भी वादा किया।

8

सुलैमान के ज्ञान की खोज करने में लोगों को ज्यादा वक्त नहीं लगा। एक दिन, दो माताएँ एक बच्चे के साथ, उसके सामने आयीं। एक महिला ने कहा "इस महिला के बेटे का रात में देहांत हुआ, और वह मेरे जीवित लडके को उठा लिया और उसका मृत शिशु मेरे पास छोड़ दिया।"

9

पर एक और दूसरी महिला ने कहा, "नहीं! जो जीवित है वह मेरा पुत्र है, और मरा हुआ तुम्हारा है।" राजा कैसे बता सकता था कि बच्चे की असली माँ कौन है?

10

तब राजा ने कहा, "एक तलवार ले आओ" तब वे राजा के सामने एक तलवार ले आये। आपको क्या लगता है कि राजा इस तलवार के साथ क्या करने की योजना बना रहा था?

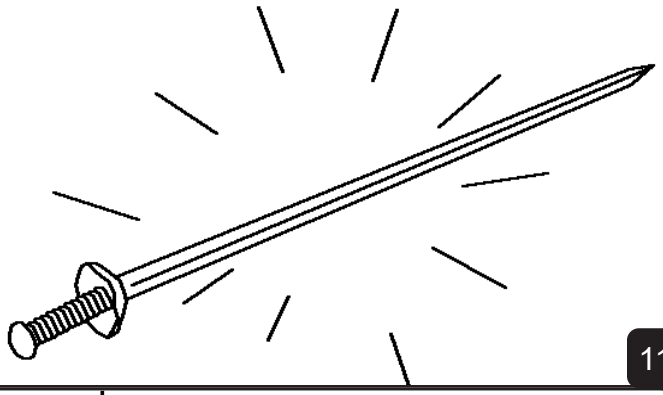

11

राजा ने कहा, "बच्चे को दो टुकड़ो में बाँट दो और एक को आधा तथा दूसरे को आधा करके दे दो।" तो फिर जीवित बच्चे की मां ने कहा, "हे मेरे प्रभु, उस जीवित बच्चे को न मार, इस जीवित बच्चे को उसे दे दो"।

12

लेकिन अन्य स्त्री ने कहा, "उस बच्चे को न मेरा और न ही उसका होने दे, लेकिन उसे विभाजित कर दे (दो भाग में बाँट दे)।"

13

तब राजा ने कहा, "पहली महिला को जीवित बच्चा दे दो, वही उसकी माँ है" और सारा इस्राएल इस फैसले के बारे में सुना, और वे राजा की बहुत सराहना किये। उन्होंने यह देखा की उस में परमेश्वर का ज्ञान था।

14

इस्राएल के लोगों के पास परमेश्वर की पूजा करने के लिए, कोई मंदिर नहीं था। जब दाऊद ने एक मंदिर के निर्माण करने की योजना बनाई, तब परमेश्वर उससे कहा था कि, "तुम्हारा पुत्र मेरे नाम के निम्मित मंदिर का निर्माण करेगा।"

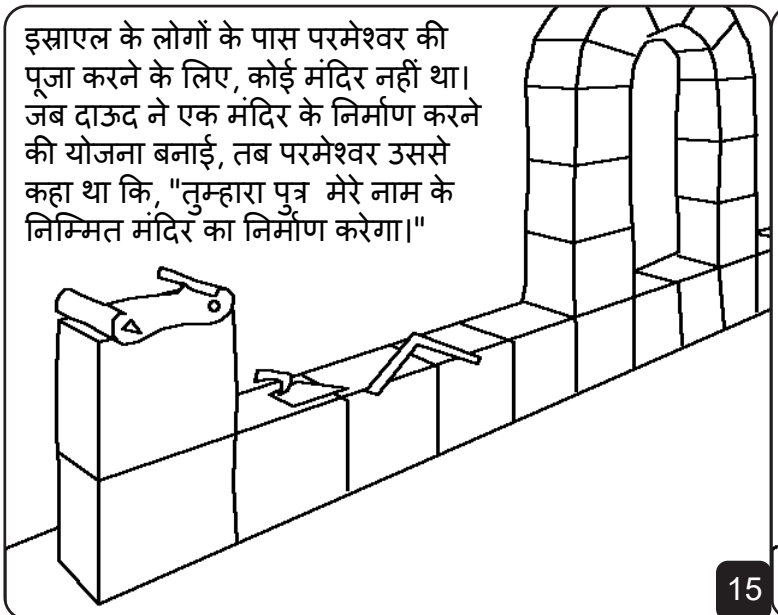

15

इसलिए सुलैमान ने यरूशलेम में एक अद्भुत भव्य मंदिर का निर्माण शुरू किया।

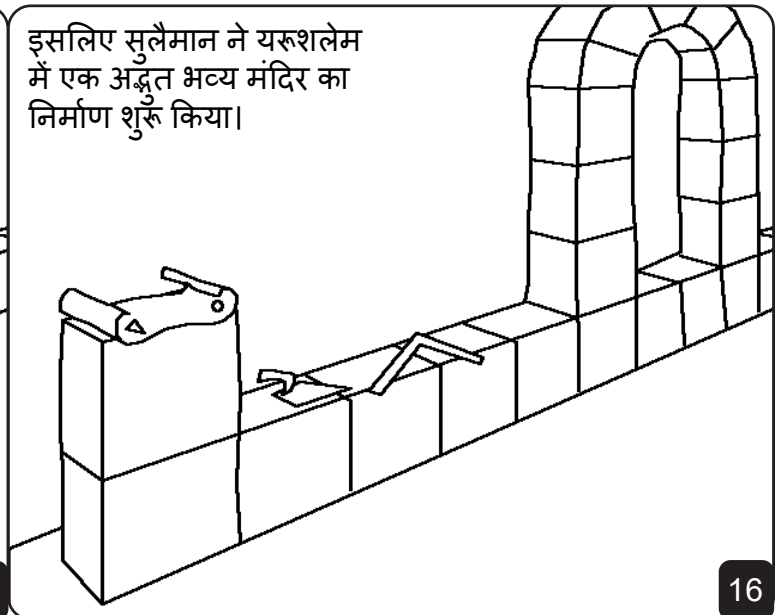

16

इस मंदिर के निर्माण में सात साल लगे थे। लेकिन उस महान दिन पर लोग सुलैमान को सुनाने के लिए आये जब वह मंदिर को यहोवा के लिए समर्पित करने वाला था।

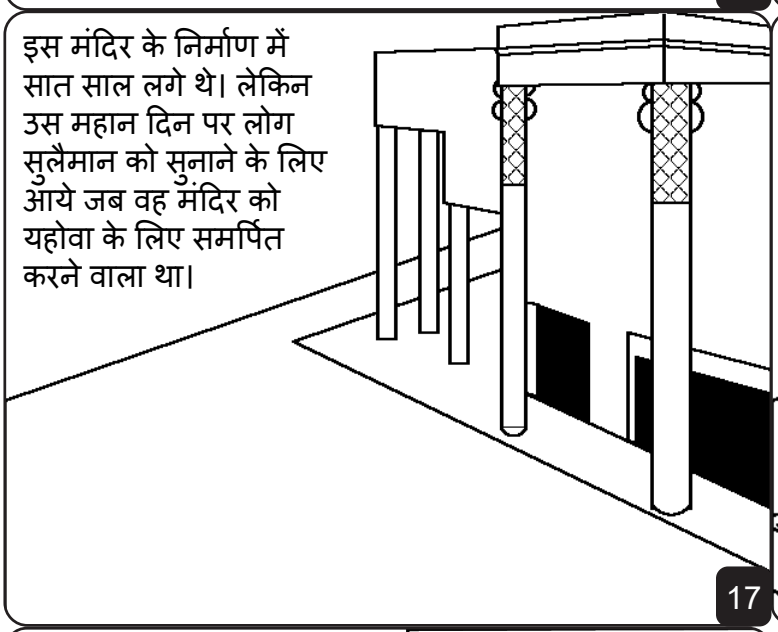

17

एक अद्भुत प्रार्थना के बाद राजा और लोग खुशी से हजारों की तादाद में बलि चढ़ाये और दो सप्ताह तक एक महान दावत किये।

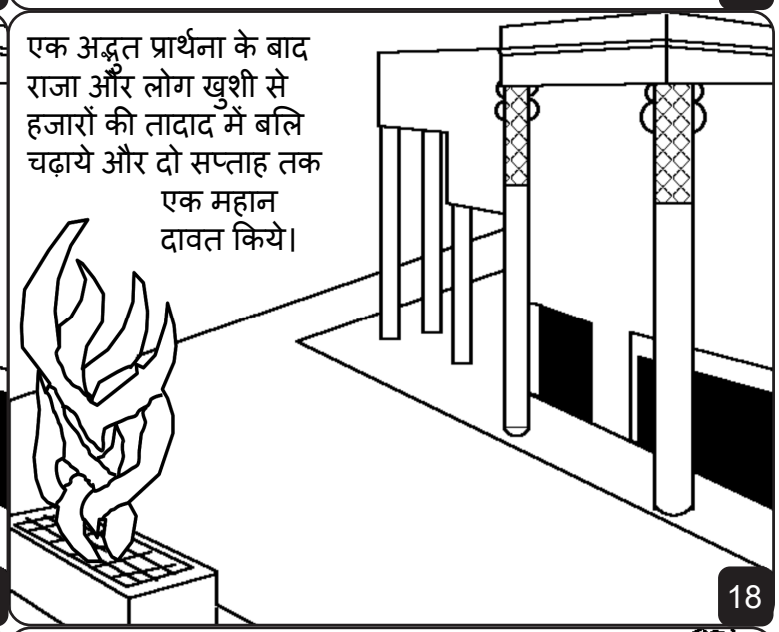

18

इस के बाद, परमेश्वर सुलैमान को फिर से दिखाई दिया और वायदा किया की जब तक वे यहोवा की बात मानेगे वह इस्राएल को आशीष देगा।

19

अफसोस की बात है, न सुलैमान और न ही इस्राएल के लोगों ने सदा के लिए परमेश्वर की बात मानी। राजा ने बहुत सारी स्त्रियों के साथ शादी कर ली परन्तु परमेश्वर नहीं चाहता था की वह उनसे शादी करे। उसकी असभ्य पत्नियों ने उसके मन को मूर्तियों की पूजा के लिए मोड़ दिया, जिस प्रकार उसके पिता दाऊद का दिल परमेश्वर के प्रति वफादार था, अब सुलैमान का दिल वैसा नहीं था।

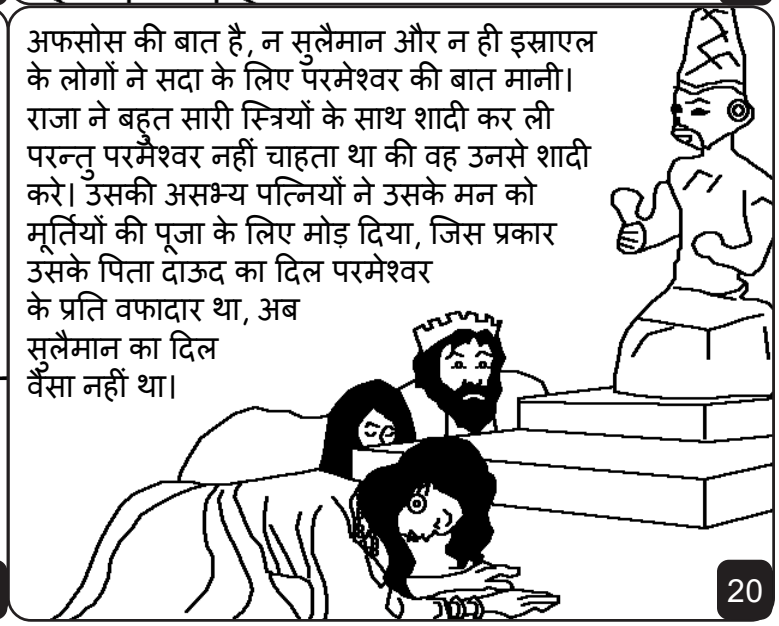

20

जबतक सुलैमान परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन करके समय बर्बाद किया, उसके अधिकारियों में से एक यारोबाम ने एक अजीब अनुभव मिला।

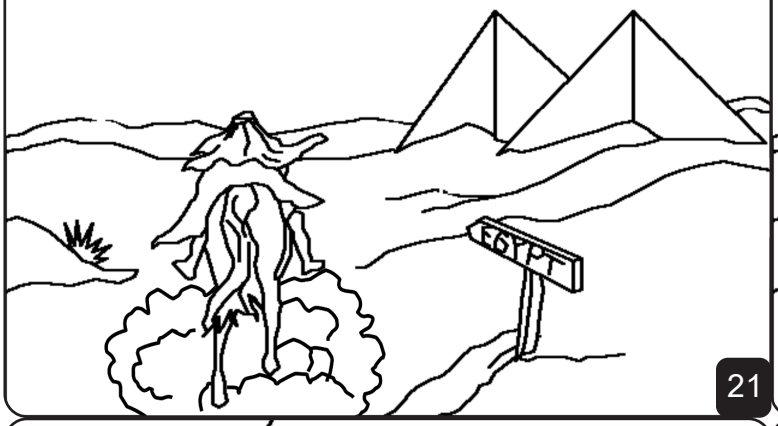

21

एक भविष्यद्वक्ता ने यारोबाम को बताया की परमेश्वर सुलैमान के राज्य को दो भागों में विभाजित करेगा, बारह में से दस गोत्रों का शासक यारोबाम होगा। यारोबाम जल्दी से मिस्र देश को भाग गया। वह जानता था कि यदि वह वहां रुकेगा तो सुलैमान उसे जान से मार डालेंगे।

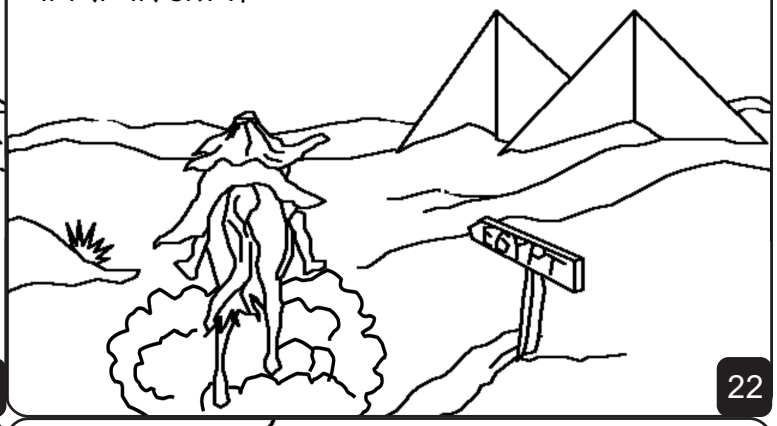

22

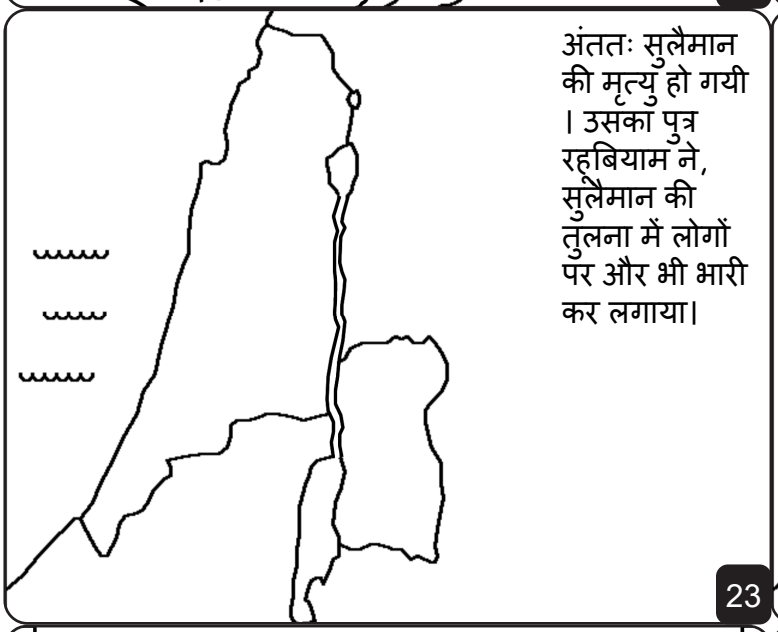

अंततः सुलैमान की मृत्यु हो गयी । उसका पुत्र रहूबियाम ने, सुलैमान की तुलना में लोगों पर और भी भारी कर लगाया।

23

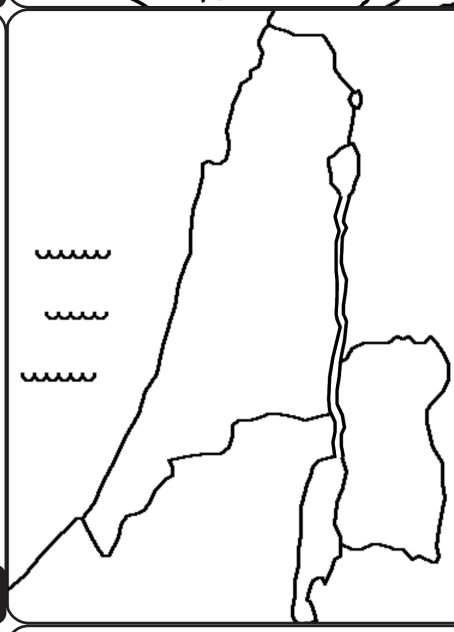

दस गोत्रों ने उसके बिरूद्ध बगावत किये - और उनका अगुवा होने के लिए यारोबाम को चुना। जैसा की परमेश्वर के भक्त ने कहा था, वैसा ही सुलैमान का महान राज्य, दो भागों में विभाजित हो गया। परमेश्वर अनाज्ञाकारियों को आशीषित नहीं कर सकता!

24

बुद्धिमान राजा सुलैमान

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

1 राजा 1-12

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुनः स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुनः जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.